रांची: 06/02/2014

ईकफाई वि० वि० झारखण्ड द्वारा कार्यरत पेशेवरों की कॅरियर उन्नति के लिए सतत शिक्षा पर समूह संगोष्ठी का आयोजन।

ईकफाई वि० वि० झारखण्ड द्वारा कार्यरत पेशेवरों की कॅरियर उन्नति के लिए सतत शिक्षा पर समूह संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे बैंकिंग, अनुसंधान, पुरसंचार, उद्योग जगत तथा सरकारी महकमा के कार्यरत पेशेवरों ने भाग लिया।

इस मौके पर कुलपति प्रो० ओ. आर. एस राव ने सभी अतिथिगणो का स्वागत करते हुए कार्यरत पेशेवरों की कॅरियर उन्नति के लिए उच्च शिक्षा पर व्यवसायिक तथा निजी तौर पर प्रकाश डाला।

कार्यरत पेशेवरों की सतत एवं उच्च शिक्षा को ध्यान में रखते हुए ईकफाई वि० वि० द्वारा MBA एवं P.hD पाठ्यक्रम का प्रोस्पेक्टस (सत्र 2014) का विमोचन किया गया। उपर्युक्त दोनों पाठ्यक्रम प्रबंधन के क्षेत्र में हैं। तथा पाठ्यक्रम की शिक्षा की गुणवत्ता के साथ समझौता किए बिना स्थिति के अनुरूप कार्यरत पेशेवरों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ढाला गया है।

इस मौके पर मुख्य अतिथी डा० ए ए खान, पूर्व कुलपति राँची वि० वि०, ने सभी सहभागियों तथ उपस्थित छात्रों, शिक्षकगण एवं अतिथीगणों को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा को ग्रहण करने पर जोर दिया क्योंकि इस विश्व में ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है।

डा० के के गर्ग, पूर्व कुलपति, राँची वि० वि०, श्री बी त्रिवेदी, महाप्रबंधक, सी सी एल, श्री सी० एस झा, महाप्रबंधक (कार्मिक), सी० सी० एल०, श्री एन के झा, पूर्व महा-प्रबंधक, आई०, आई० एस० सी० ओ०, एवं सुश्री प्रवीण कला, उप महा प्रबंधक ने उपस्थित सारे लोगो को संबोधित किया।

इसके बाद उपस्थित शिक्षा तथा उद्योग जगत के सहभागियो द्वारा समूह संगोष्ठी का आरंभ किया गया। जिसमे सतत शिक्षा के लाभ, मुद्दों तथा चुनौतियों पर शिक्षा तथा उद्योग जगत के चयनको द्वारा चर्चा की गयी।

इस मौके पर विभिन्न संस्थों के जैसे मेकोन, केंद्रिय तसर अनुसंधान संस्थान, झारखण्ड पर्यटन संगठन, एच ई सी॰, पेन्टालुनस, आदित्य बिरला ग्रुप आदि के प्रबंधको ने चयनकों के रूप मे भाग लिया तथा अपने अनुभवों को बताया।

अन्य पदाधिकारीयों द्वारा एम बी॰ ए॰ तथा पि॰ एच डी॰ पाठ्यक्रम का प्रोस्पेक्टस का विमोचन

उपर्युक्त पाठ्यक्रमों की पुरी जानकारी देते हुए रजिस्ट्रार डा॰ बी एम सिंह ने कहा कि कार्यरत पेशेवरो के लिए एम बी॰ ए॰ पाठ्यक्रम दो वर्षों का है जहॉं कक्षा शाम को आयोजित किए जाती है। अगर किसी कारणवश कोई व्यक्ति पाठ्यक्रम के पहले सत्र को सफलता पुर्वक उर्त्तिण करने पर उन्हें डिप्लोमा डिग्री प्रदान किया जायगा। वह फिर से 3 वर्षों के अन्दर अपना कोर्स जारी कर सकता है तथा एम बी॰ ए॰ की डीग्री प्रदान कर सकता है। उसी तरह पी॰ एच डी॰ के संबंध मे छात्र को 10 दिनो (दो भाग) की कक्षा कार्यक्रम मे सम्मिलित होना चाहिए उसके बाद उन लोगों को उन्ही के कार्य स्थान तथा क्षेत्र में रिसर्च सुपरवाइजर का निर्धारण किया जायगा। अध्ययनशील छात्र अपने कार्यक्रम को कम से कम 3 वर्ष तथा अधिकतम 6 वर्ष तक में पुरा कर सकते है।

इस कार्यक्रम मे प्रो॰ एस प्रसाद (सहायक डीन, एफ एम एस), प्रो॰ मदन प्रसाद (सहायक डीन एफ एस टी), डा॰ एस सी॰ सबेन तथा अन्य शिक्षक सदस्य तथा वि॰ वि॰ के अधिकारी, छात्र तथा उनके अभिभावक ने भाग लिया।